9. 1008 श्री पुष्पदन्तजी

यक्ष	चिन्ह	वर्ण	यक्षिणी
ब्रह्म	मगर	शुक्लवर्ण	काली

अर्घ

जल फल सकल मिलाय मनोहर, मन वच तन हुलसाय।
तुम पद पूजों प्रीति ल्याय के जय जय त्रिभुवन राय॥
मेरी अरज सुनीजे, पुष्पदन्त जिनराय, मेरी अरज सुनीज।

ॐ ह्रीं श्री पुष्पदन्तनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

फाल्गुन कृष्णा-९

गर्भकल्याणक

मार्ग शीर्ष शुक्ला-१

जन्मकल्याणक

मार्ग शीर्ष शुक्ला-१

तपकल्याणक

कार्तिक शुक्ला-२

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: श्री सुग्रीव राजा
माता: वामादेवी

मोक्ष स्थान श्री सम्मेदशिखर जी

भाद्रपद शुक्ला-८

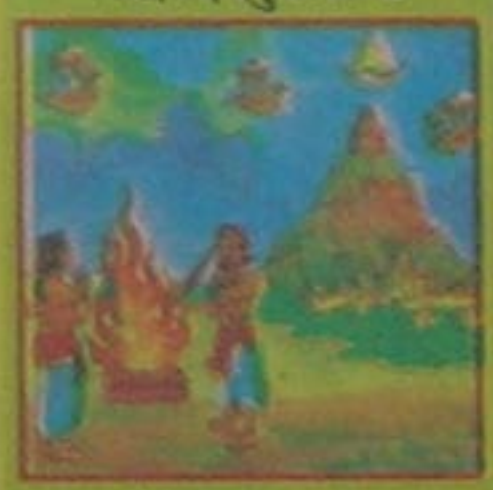

मोक्षकल्याणक